

time taken. 2:40



VISION IAS

www.visionias.in



GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1832)

Name of Candidate	Arpit Kumar	Registration Number	546705
Medium Eng./Hindi	Hindi	Date	28/10/22
Center	M.N.		

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar
Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. Highlighting the vulnerability of India's critical infrastructure to cyber attacks, discuss the various steps taken by the government to boost cyber security. (150 words) 10

साइबर हमलों के प्रति भारत के महत्वपूर्ण अवसंरचना (क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर) की सुभेद्यता पर प्रकाश डालते हुए, साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों पर चर्चा कीजिए।

डिजिटल साधनों का प्रयोग करते हुये देश के विभिन्न अवसंरचनाओं पर हमला. साइबर हमले के अंतर्गत आता है।

भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना सुभेद्यता.

डिजिटल इंडिया के परिणामस्वरूप शासन के सभी स्तरों पर बढ़ता डिजिटलीकरण.

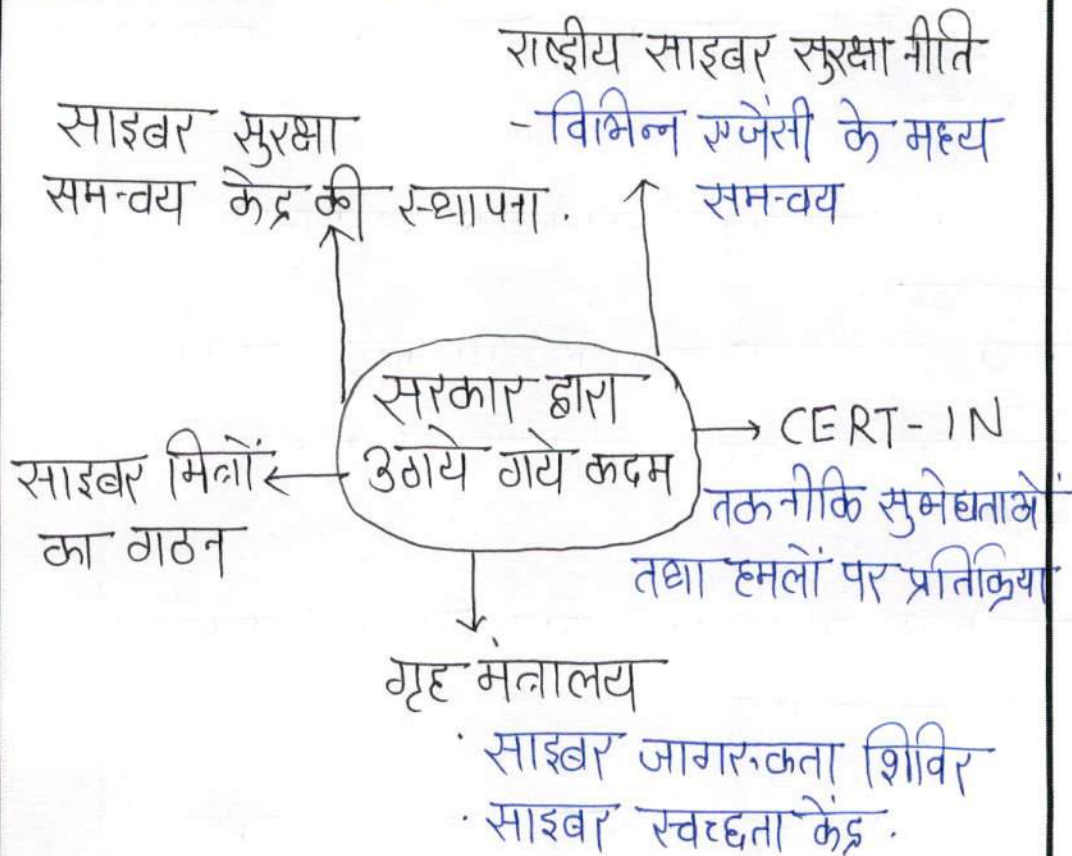
डिजिटल प्रौद्योगिकी में स्वदेशी सामग्री का न होना

विद्युत, परिवहन, ऊर्जा आदि क्षेत्रों का आपस में एकीकृत होना

(2020 में मुंबई लाइटभाउट का प्रभाव सभी क्षेत्रों पर पड़ा)

भारत के अधिकांश कंप्यूटर सिस्टमों द्वारा विंडोज का प्रयोग किया जाना.

सार्वजनिक व निजी क्षेत्र का तकनीकी सुभेद्यताओं को पहचानने में परस्पर सहयोग न करना.



" हालांकि इन उपायों के साथ-साथ भारत को स्वदेशीकरण के साथ सार्वजनिक-निजी सहयोग पर ध्यान देना होगा। "

2. Discuss the role that space technology can play in strengthening India's border security. (150 words) 10

भारत की सीमा सुरक्षा को सुदृढ़ करने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

भारत 15,200 वर्ग किमी. के
साथ लगभग 7500 वर्ग किमी. की
तटरेखा के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा
साझा करता है।

सीमा सुरक्षा में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की भूमिका

- ① IRNSS- NAVIC के माध्यम से सेना को आत्मनिर्भर पोजिशनिंग सिस्टम की प्राप्ति.
- ② दुर्गम क्षेत्र: सियाचिन, लद्दाख आदि की उपग्रहों के माध्यम से बेहतर निगरानी
- ③ घुसपैठ होने पर इसरो द्वारा सेना को इनपुट प्रदान करना
- ④ GSLV उपग्रहों के माध्यम से बेहतर संचार प्रणाली

० युद्ध की स्थिति पर आत्मनिर्भर प्रौद्योगिकी की उपलब्धता

० PSLV उपग्रहों के माध्यम से संसाधन तथा मौसम की सूक्ष्म जानकारी सेना को उसके ऑपरेशन में मदद करती है।

इसरो के पास स्पेस सैन्य विज्ञान का अभाव

इसरो की पड़ोसी क्षेत्रों में आउटरिच का न होना

चुनौतियाँ

इष्टतम उपयोग का न होना

नौसेना के क्षेत्र में इसरो की कम सक्रियता

निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भल्प भागीदारी

“हालांकि इन स्पेस के माध्यम से अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है जो बेहतर परिणाम देगा।”

3. Discuss the challenges associated with inclusion of women in armed forces, particularly in combat roles in India. How can these challenges be addressed?

(150 words) 10

सशस्त्र बलों, विशेष रूप से भारत में युद्धक भूमिकाओं में महिलाओं को शामिल करने से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। इन चुनौतियों का समाधान कैसे किया जा सकता है?

भारतीय सेना में युद्धक क्षेत्र में महिलाओं का प्रति: लगभग 3% है।

महिलाओं को शामिल करने से संबंधित चुनौतियाँ

- I. युद्ध क्षेत्र की प्रकृति -

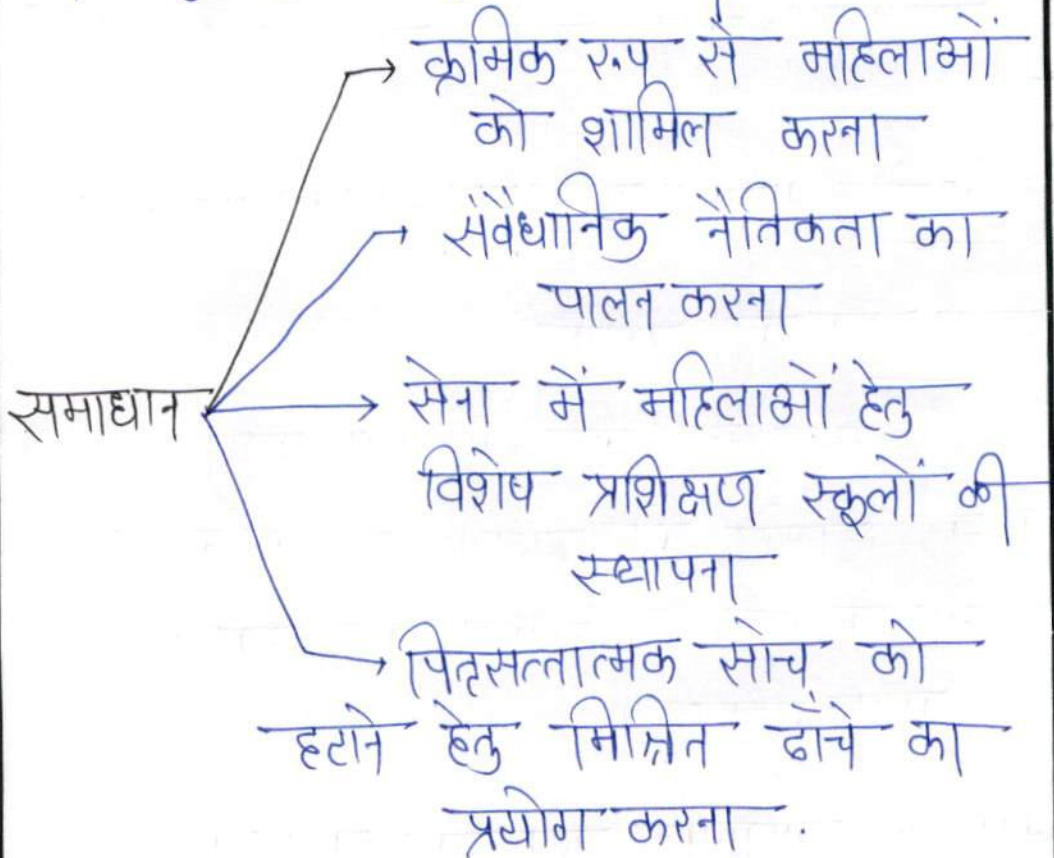
युद्ध क्षेत्र की जटिलता तथा मैदान में खतरों की हाइब्रिड प्रकृति को महिलाओं के लिए चुनौती के रूप में देखा जाता रहा है।

- II. सेना का मानसिक रूप से तैयार न होना -

भारतीय सेना अभी पितृसत्तात्मक ढाँचे का ही प्रतिनिधित्व करती है, यही कारण है कि सबसे कम महिलाएँ बल सेना में हैं।

III. महिला सुरक्षा तथा गरिमा.

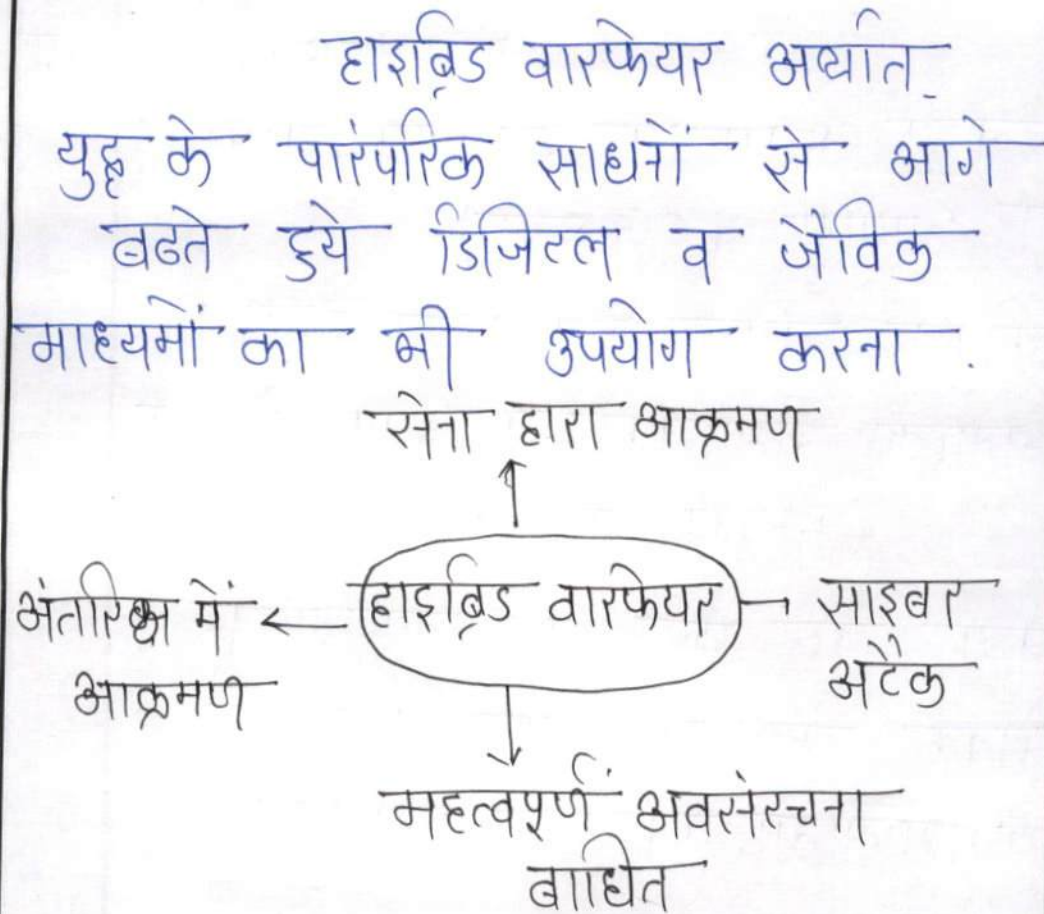
युद्धबंदी हो जाने पर महिलाओं के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार न होना भी चुनौती प्रस्तुत करता है।



महिलाओं का सेना में न्यून प्रतिनिधित्व स्वयं सेना की संभावनाओं को सीमित करता है, इस दिशा में तत्काल प्रयास किये जाने चाहिए।

4. What do you understand by hybrid warfare? Discuss India's preparedness in this context. (150 words) 10

हाइब्रिड वारफेयर से आप क्या समझते हैं? इस संदर्भ में, भारत की तैयारियों की विवेचना कीजिए।



भारत की तैयारियाँ

- ७ हालांकि भारत द्वारा अलग-२ फ्रंट पर इ-हे' संबोधित किया जा रहा है यथा-

- ① साइबर हमलों के प्रति सुभेद्यता कम करना (भारत शीर्ष 10 देशों में शामिल: साइबर सुरक्षा)
- ① डिजिटल साधनों में स्थानीय सामग्री का उपयोग (5G इन्फ्रा)
- ① रणनीतिक धियेटर कमजोरों का गठन
- ① भूतत्तिक प्रौद्योगिकी में सशक्तीकरण (A-SAT प्रौद्योगिकी)
- ① सैन्य फ्रेट पर CDS का गठन
- ① जैविक फ्रेट पर वैक्सीन तथा प्रयोगशालाओं की प्रभाविता में वृद्धि

“हालांकि ये सभी उपाय अलग-अलग फ्रेट पर हैं, हमें आवश्यकता है कि हम इनका रणनीतिकरण कर सकें।”

5. Discuss the rationale behind delegating policing powers to Central Armed Police Forces (CAPFs) in border states. Highlight the issues arising from it.

(150 words) 10

सीमावर्ती राज्यों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) को पुलिस अधिकार सौंपने के पीछे निहित तर्क पर चर्चा कीजिए। इससे उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

हाल ही में केंद्रीय बलों को सीमावर्ती राज्यों में कुछ भाग (1501km व अन्य) में पुलिस अधिकार सौंपे गये हैं - निहित तर्क -

- ① राज्य पुलिस के पास आवश्यक भासूचना का अभाव
- ② सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलिस प्रभावितता में प्रश्नचिन्ह
- ③ घुसपैठ तथा आतंकी घटनाओं में वृद्धि (पुलवामा तथा उरी)
- ④ बी. एस. एफ. तथा आई. टी. बी. पी. बलों के पास मैण्डेट का होना

उत्पन्न होने वाली समस्याएँ.

- ① पुलिस राज्य सूची का विषय
(केंद्र - राज्य टकराव)
- ① सैन्य बलों तथा पुलिस के मध्य
टकराव
- ① स्थानीय लोगों का सहज महसूस
न करना.
- ① सैन्य बलों के पास आवश्यक
पुलिसिंग प्रशिक्षण का अभाव

भागों की राह.

- ① पुलिसिंग के अधिकार सिर्फ सेक्टर
शील क्षेत्रों तक सीमित रखना
- ① आवर्ती समय में अधिकारों की
समीक्षा करना

“साथ ही सेना व पुलिस
के मध्य इन क्षेत्रों में समन्वय पर
बल देना चाहिए”

6. Discuss the factors that have helped sustain Left Wing Extremism (LWE) in India. What steps has the government taken in recent times to counter LWE? (150 words) 10

उन कारकों पर चर्चा कीजिए जिन्होंने भारत में वामपंथी उग्रवाद (LWE) को बनाए रखने में सहायता की है। LWE से निपटने के लिए सरकार ने हाल के दिनों में क्या कदम उठाए हैं?

भारत का पूर्वी भाग,
70 के दशक से वामपंथी उग्रवाद
से पीड़ित रहा है।



वामपंथी उग्रवाद

सहायक कारक:

- I. सशक्त विचारधारा की उपस्थिति
 - बुद्धिजीवी वर्ग का समर्थन
 - कैडर प्रसार में सहायक

II. क्षेत्रों की सापेक्ष वंचना:

झारखण्ड, छत्तीसगढ़ तथा
उड़ीसा आदि राज्य सापेक्षिक

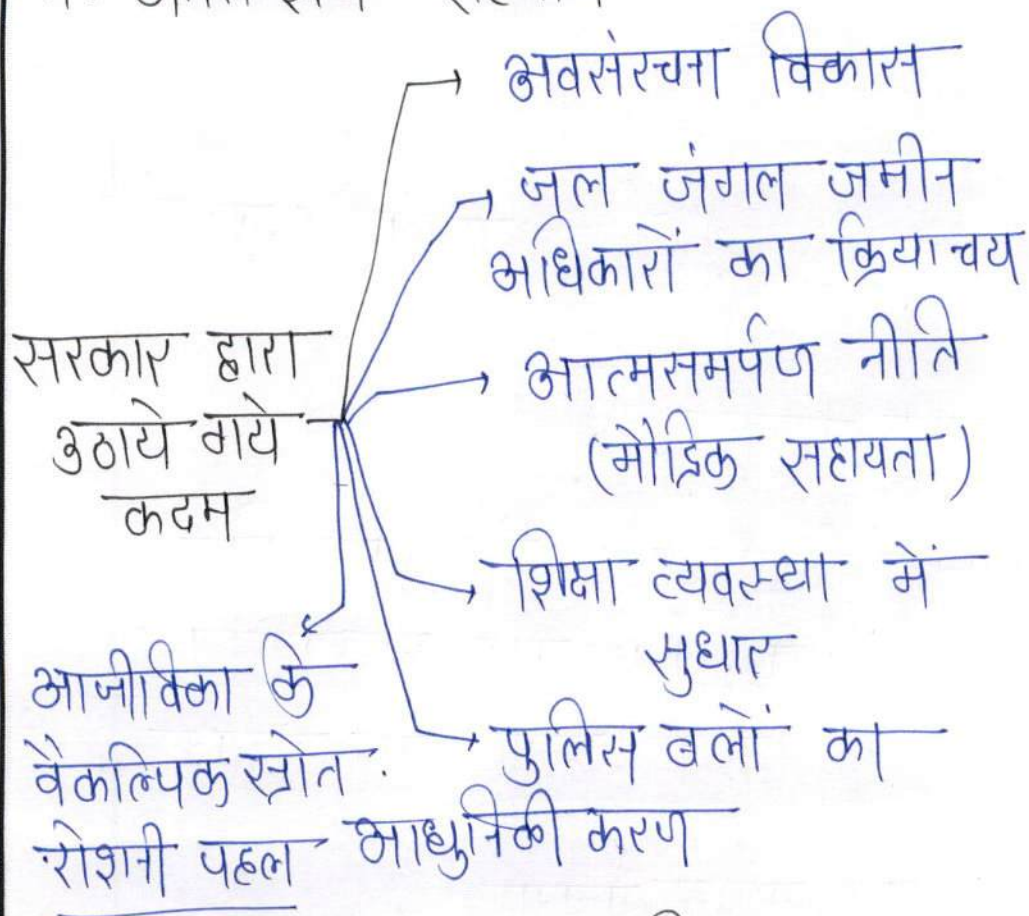
वेचना के शिकार रहे हों

III. केंद्र का सशक्त होना

IV. राज्य की पूर्ण प्रतिबद्धता न होना

V. स्थानीय प्रशासन का अभाव

VI. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग.



“इस प्रकार विकास तथा सुरक्षा व्यवस्था दोनों फ्रेट पर काम किया जाना आवश्यक है”

7. Provide an account of the statutory and institutional framework for preventing money laundering in India. (150 words) 10

भारत में मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम के लिए वैधानिक और संस्थागत ढांचे का विवरण दीजिए।

अवैध कार्यों से प्राप्त धन को पारंपरिक माध्यमों में लाना धन शोधन कहलाता है।

भारत में धन शोधन रोकने के वैधानिक व संस्थागत ढांचे -

①. धन शोधन निवारण अधि. - 2002

① यह अधि. वित्तीय आसूचना इकाई का गठन करता है -

① जाँच एजेंसियों को धन जलत करने का अधिकार

① आपराधिक कार्यवाई प्रारंभ करने तथा गिरफ्तार करने की शक्ति.

क्रियान्वयन एजेंसी. प्रवर्तन निदेशालय.

विदेशी विनिमय प्रबंधन अधि. - 2006 -

- ① विदेशी चैनलों से धन शोधन पर निगरानी
- ① प्रवर्तन निदेशालय, क्रियाचयन स्पेसी

प्रवर्तन निदेशालय

① मनी लॉन्ड्रिंग टेकल करने हेतु समर्पित अधिकार प्राप्त निकाय

मंत्रालय - गृह मंत्रालय

‘ धन शोधन को रोकने हेतु हमें उपलब्ध दोनों अधिनियमों का प्रभावी क्रियाचयन सुनिश्चित करना होगा ’

8. Highlight the critical role that the National Security Guard (NSG) plays in ensuring internal security of India. (150 words) 10

भारत की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालिए।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, भारत के अर्ध सैन्य बलों में एक है तथा यह आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ वी. आई. पी. व्यक्तियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड की भूमिका:

- ० बम विस्फोटों आदि खतरों में त्वरित प्रतिक्रिया देना
- ० आतंकी गतिविधियों के मददेनजर प्रथम पंक्ति का सुरक्षा बल।
मुख्य ऑपरेशन- ० ब्लैक थंडर
० अश्वमेध
० वज्रशक्ति
- ० पोस्ट क्लास्ट इन्वेस्टिगेशन करना

- ① वीआईपी सुरक्षा (मंत्री, राजनेता ---)
प्रदान करना
- ② भूमि, समुद्र, वायु पर हवाई व
पोत अपहरण को रोकना.

हालांकि अपनी बहुभाषी
भूमिका के बावजूद सन. एस. जी.
पर 26/11 हमले में प्रतिक्रिया में
देरी होने के आरोप लगते रहे हैं।

"अतः आवश्यक है कि
राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड हेतु आवश्यक
अवसंरचना व कनेक्टिविटी पर
ध्यान दिया जाना चाहिए।"

9. Do you agree with the view that India needs to establish a dedicated Space Force to address its military needs? (150 words) 10

क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि भारत को अपनी सैन्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक समर्पित अंतरिक्ष बल स्थापित करने की आवश्यकता है?

भारत, विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य बल धारण करता है तथा भारतीय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विश्व की अग्रणी प्रौद्योगिकी में से एक है।

समर्पित अंतरिक्ष बल की आवश्यकता

- I. भारत के पड़ोसी राज्य चीन तथा अमेरिका व रूस द्वारा इस दिशा में प्रयास किये गये हैं।
- II. हिमालय की चोटियों की निगरानी व उनकी सुरक्षा हेतु
- III. भारतीय अंतरिक्ष मिशनों की सुरक्षा हेतु

14. भारत की 7516 किमी. लंबी
तटरेखा की सुरक्षा हेतु
- ✓ क्षेत्र में सुरक्षा प्रदाता की
भूमिका निभाना
15. उपलब्ध अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी
का सर्वोत्तम लाभ उठाना
16. हाइब्रिड वारफेयर की चुनौती
का सामना करने में।

“इस प्रकार, भारत को
सैन्य आत्मनिर्भरता व सुरक्षा
प्रदाता की भूमिका का निर्वह
करने हेतु अंतरिक्ष सैन्य बल
स्थापित करने हेतु ध्यान देना
चाहिए।”

10. Discuss how cryptocurrencies can become a tool of money laundering in India. Also, highlight the steps taken by the government in this regard.

(150 words) 10

चर्चा कीजिए कि भारत में क्रिप्टोकॉरेसी मनी लॉन्ड्रिंग का एक उपकरण कैसे बन सकता है। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर भी प्रकाश डालिए।

क्रिप्टोकॉरेसी, अपनी विकेंद्रित प्रकृति के कारण मनी लॉन्ड्रिंग का सर्वोत्तम माध्यम बनता जा रहा है।

भारत में मनी लॉन्ड्रिंग का उपकरण:
क्रिप्टोकॉरेसी

- I. क्रिप्टोकॉरेसी में सरकारी विनियमन का अभाव
- II. RBI तथा अन्य संस्थाओं की भूमिका नहीं
- III. वैश्विक चैनलों की भारत में आउटरीच
- IV. पारंपरिक साधनों की अपेक्षा लागतप्रभावी तथा आसान

सरकार द्वारा उठाये गये कदम:

- I. क्रिप्टोक्युरेंसी विनियमन विधेयक का प्रस्ताव
- II. RBI तथा अन्य संस्थाओं को विनियमकारी शक्तियाँ प्रदान करना
- III. वैश्विक सहयोग सुनिश्चित करना
- IV. आधिकारिक डिजिटल मुद्रा का प्रस्ताव
- V. प्रवर्तन निदेशालय की प्रभाविता में वृद्धि -

"हालांकि भारत को स्पष्ट क्रिप्टोक्युरेंसी विनियमन की आवश्यकता है।"

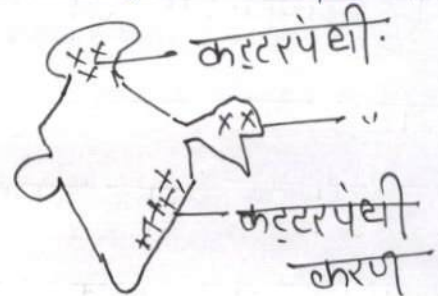
11. Radicalisation of youth by extremist organisations poses a serious security risk to India. Discuss. Also, suggest measures for de-radicalisation.

(250 words) 15

चरमपंथी संगठनों द्वारा युवाओं का कट्टरपंथीकरण भारत के समक्ष सुरक्षा संबंधी एक गंभीर जोखिम प्रस्तुत करता है। चर्चा कीजिए। साथ ही, कट्टरपंथ को समाप्त करने के उपायों का सुझाव दीजिए।

सोशल मीडिया प्रेरित कनेक्टिविटी
चरमपंथी संगठनों को युवाओं का
कट्टरपंथीकरण करने में सहायता प्रदान
कर रही है।

कट्टरपंथीकरण के
बढ़ने के कारण



- ① कोविड-19 प्रेरित लॉकडाउन की वजह से युवाओं के रोजगार का खत्म होना
- ② सोशल मीडिया पर आसान टारगेट बन जाना
- ③ कुछ क्षेत्रों (कश्मीर, उत्तरपूर्व) में सापेक्षिक वंचना की भावना
- ④ मुख्य भूमि में राजनैतिक लाभ हेतु नकारात्मक राजनीति करना

सुरक्षा संबंधी खतरा

- ० आतंकी संगठन इन युवाओं का उपयोग लोन बोलफु अटैक में करते हैं -
- ० युवाओं के विरुद्ध कार्यवाई करने पर तीखी सामुदायिक प्रतिक्रिया
- ० युवा, स्वाभाविकतः बेहतर प्रौद्योगिकी तथा सूचनाओं से सक्षम होते हैं -
- ० स्पेंसियों के पास कार्यवाई का स्पष्ट मै-डेह न होना
- ० कल्टरपेंथीकरण से बाह्य सुरक्षा के साथ-साथ सामुदायिक सौहार्द भी खतरे में पड़ता है।

समाप्त करने के उपाय -

- I. राजगार के तीव्र अवसरों का सृजन -
- II. सापेक्षिक वंचना के शिकार क्षेत्रों का समग्र विकास -

III. मुख्य भूमि से इन क्षेत्रों में
सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रयास.

IV. सोशल मीडिया विनियमन - 2021
का बेहतर क्रियान्वयन

V. एजेंसियों के माध्यम समन्वय
विकसित करना.

VI. सशक्त पुनर्वास नीति विकसित
करना।

“इस प्रकार बेहतर निगरानी
तथा विकास के माध्यम से कट्टरपंथ
को रोका जा सकता है।”

12. Recent events have highlighted that nations with weak militaries cannot sustain themselves against technologically advanced adversaries. Discuss. What lessons can India learn from these events? (250 words) 15

हाल की घटनाओं ने यह उजागर किया है कि दुर्बल सैन्य ताकत वाले राष्ट्र तकनीकी रूप से उन्नत शत्रुओं के खिलाफ स्वयं को बनाए नहीं रख सकते हैं। चर्चा कीजिए। इन घटनाओं से भारत क्या सीख प्राप्त कर सकता है?

रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण
तथा चीन द्वारा ताइवान पर संकट खड़ा
करना दुर्बल सैन्य राष्ट्रों के समक्ष
अस्तित्व का संकट उत्पन्न करते हैं।

चूंकि प्रायः दुर्बल सैन्य
शक्ति वाले राष्ट्र किसी एक सुरक्षा
प्रदाता राष्ट्र (यथा: अमेरिका) के
संरक्षण में होते हैं, अतः उनके
द्वारा स्वयं आत्मनिर्भरता का
प्रयास नहीं किया जाता।

यूक्रेन की नाटो तथा
अमेरिका पर निर्भरता आज उसके
समक्ष अस्तित्व का संकट पैदा
किये हुये हैं।

इसरा, इन राष्ट्रों द्वारा संयुक्त राष्ट्र की प्रभाविता पर अधिक विश्वास किया जाता है जो कि वस्तुतः उतना सही नहीं है।

भारत के लिए सीख

- I. भारत ऊर्जा तथा हथियार दोनों के लिए निर्भर देश है; अतः भारत को इन दोनों क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता का प्रयास किया जाना चाहिए।
- II. भारत, दक्षिण रशिया में सुरक्षा प्रदाता की भूमिका निभाता है, अतः भारत को अपने पड़ोसी राष्ट्रों की चीन पर निर्भरता कम करनी चाहिए।

111. संयुक्त राष्ट्र की प्रभाविता में
वृद्धि हेतु प्रयास किये जाने
चाहिए।

112. कूटनीतिक साधनों के माध्यम
से स्वतंत्र विदेश नीति का पालन
करना होगा।

"इस प्रकार भारत न
केवल अपनी सुरक्षा बल्कि सुरक्षा
प्रदाता की भूमिका भी सुनिश्चित
कर सकेगा।"

13. The dark web can be an ideal platform for several criminal and terrorist activities. Discuss with examples. Also, suggest measures to tackle the misuse of dark web. (250 words) 15

डार्क वेब कई आपराधिक और आतंकवादी गतिविधियों के लिए एक आदर्श मंच हो सकता है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। साथ ही, डार्क वेब के दुरुपयोग से निपटने के उपायों का सुझाव दीजिए।

डार्क वेब, ऐसा माध्यम है जहाँ पर सरकारी एजेंसियों की पहुँच लगभग नहीं होती है। आपराधिक और आतंकी गतिविधियों के लिए आदर्श मंच।

- ① आतंकी संगठनों द्वारा कैडर विस्तार में प्रायः डार्क वेब का सहारा यथा: जम्मू-कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद।
- ① नक्सलवादी संगठनों द्वारा विचारधारा के प्रसार में डार्क वेब का प्रयोग।
- ① वित्तपोषण हेतु डार्क वेब का सहारा लिया जाता है।

- ① संपूर्ण आतंकी गतिविधियों की प्लानिंग तथा क्रियान्वयन, डार्क वेब पर ही संभव
- ② आपराधिक गतिविधियों में हवाला, धन शोधन को डार्क वेब पर अंजाम देना.

दुरुपयोग से निपटने के सुझाव:

- ① राष्ट्रीय कोडिंग विधेयक को पारित करना
- ② हाई प्रोफाइल गतिविधियों की सूक्ष्म मानीटरिंग करना
- ③ इंटरपोल तथा वैश्विक एजेंसियों के साथ संचार स्थापित करना
- ④ सुरक्षा एजेंसियों के भीतर तकनीकी प्रभाग को और अधिक सशक्त करना

① आतंकियों द्वारा छोड़े गये तकनीकी उपकरणों का सर्वोत्तम लाभ लेना।

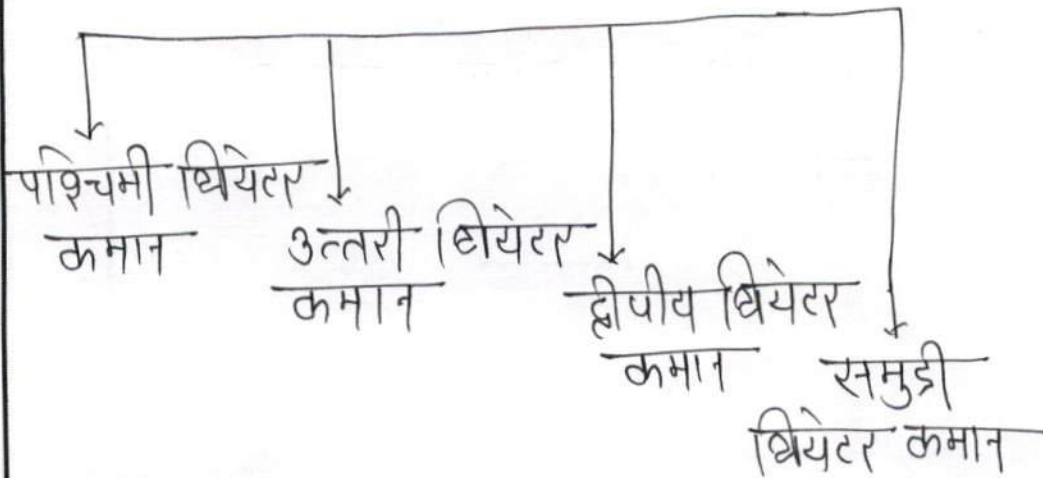
“सुरक्षा एजेंसियों के महत्व
वैश्व समन्वय तथा वैश्विक
सहयोग के माध्यम से डार्क वेब
के दुरुपयोग को रोका जा
सकता है।”

14. What are Integrated Theatre Commands (ITCs)? Discuss the importance of setting up ITCs in India and challenges in this regard. (250 words) 15

एकीकृत थिएटर कमान (ITCs) क्या हैं? भारत में ITCs की स्थापना के महत्व और इससे संबंधित चुनौतियों की विवेचना कीजिए।

एकीकृत थिएटर कमान

अर्थात् एकल कमांडर के अधीन संयुक्त सैन्य कार्रमियों का गठन।



स्थापना का महत्व.

- ① सैन्य ऑपरेशनों की प्रभाविता में वृद्धि
- ① बेहतर संसाधन उपयोगिता
- ① कार्मिक दक्षता में वृद्धि
- ① इंटर ऑपरेविलिटी
- ① हाइब्रिड खतरों को उदासीन करना

- ⑦ तीनों सेनाओं के मध्य समन्वयता में वृद्धि
- ⑧ समग्र रूप से सैन्य क्षमता में वृद्धि.
- ⑨ स्क. दूसरे से सर्वोत्तम पद्धतियों को सीखने का अवसर.

संबंधित चुनौतियाँ

- I. पूर्व अनुभव की कमी.
- II. स्पष्ट दिशानिर्देशों का अभाव.
- III. घल सेना के प्रभुत्व उपयोग की भाशंका.
- IV. बजट अलोकेशन में चुनौती
- V. विशेष सैन्य प्रशिक्षण का अभाव.

भागों की राह:

- ① अनुभव हेतु सर्वोत्तम वैश्विक पद्धतियों से सीखना
- ② अनुपातिक रूप में कार्मिकों का गठन करना
- ③ ससमय समीक्षा करना।

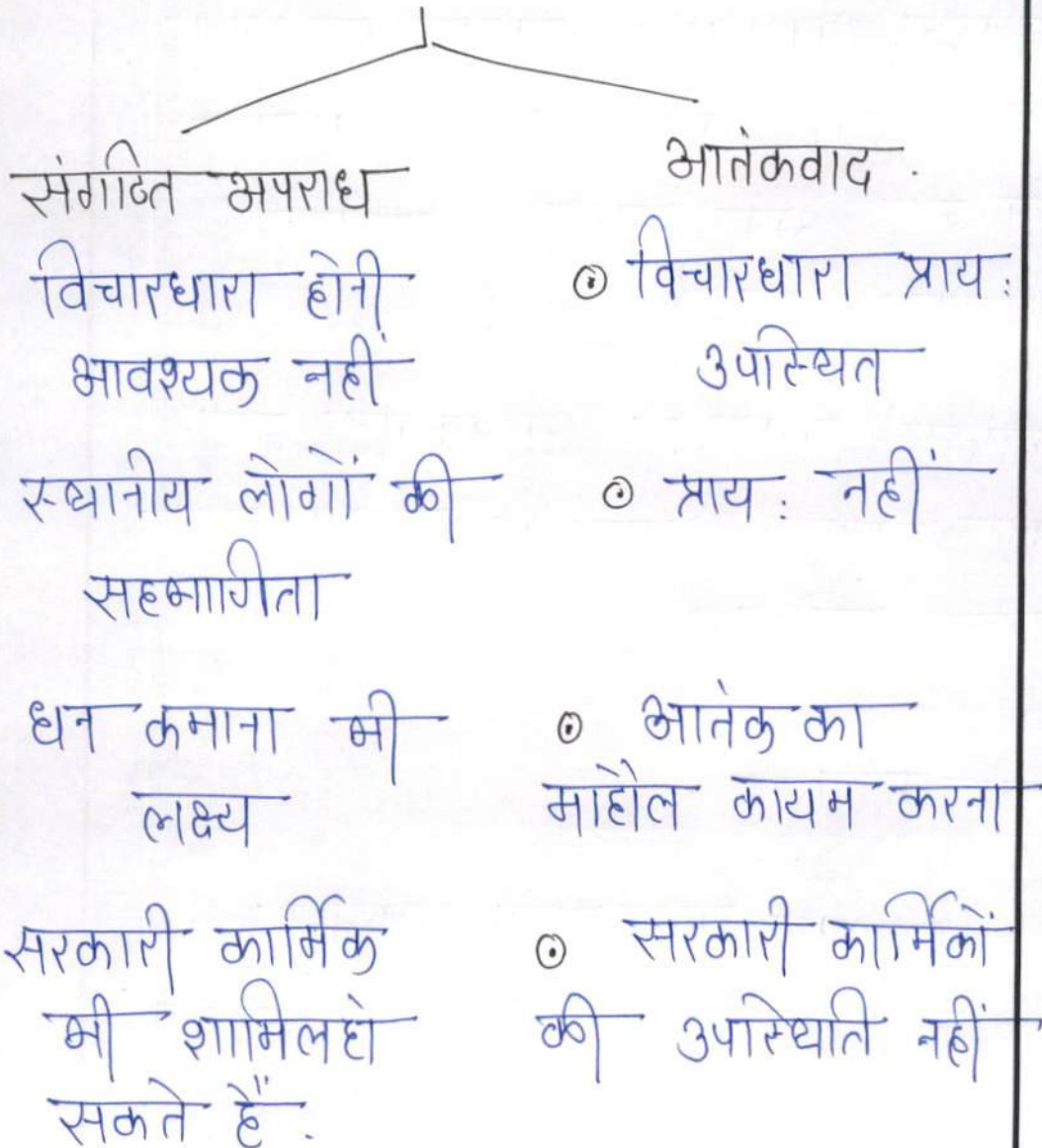
"स्क्रीकृत थियेटर कमान, पारंपरिक खतरों के साथ-२ हाइब्रिड खतरों को संबोधित करने में भी सक्षम होगी।"

15. Decoupling organized crime from terrorism requires a holistic approach.
Comment.

(250 words) 15

संगठित अपराध को आतंकवाद से अलग करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है।
टिप्पणी कीजिए।

संगठित अपराध में औपचारिक चैनलों के माध्यम से अपराध को अंजाम दिया जाता है।



आवश्यक समग्र दृष्टिकोण:

- ① आतंकवादी समूहों की पहचान पूर्व से स्थापित अतः सुरक्षा एजेंसियों द्वारा मुकाबला करना आसान.
- ② संगठित अपराधी अक्सर स्थानीय लोगों के मसीहा के रूप में होते हैं, अतः दोहरी चुनौती प्रस्तुत करते हैं।
- ③ संगठित अपराध आतंकवाद से बड़ा खतरा, आंतरिक सुरक्षा हेतु प्रकट करते हैं।

आगे की राह:

- ① समर्पित सैन्य तथा पुलिस बलों का गठन किया जाना।

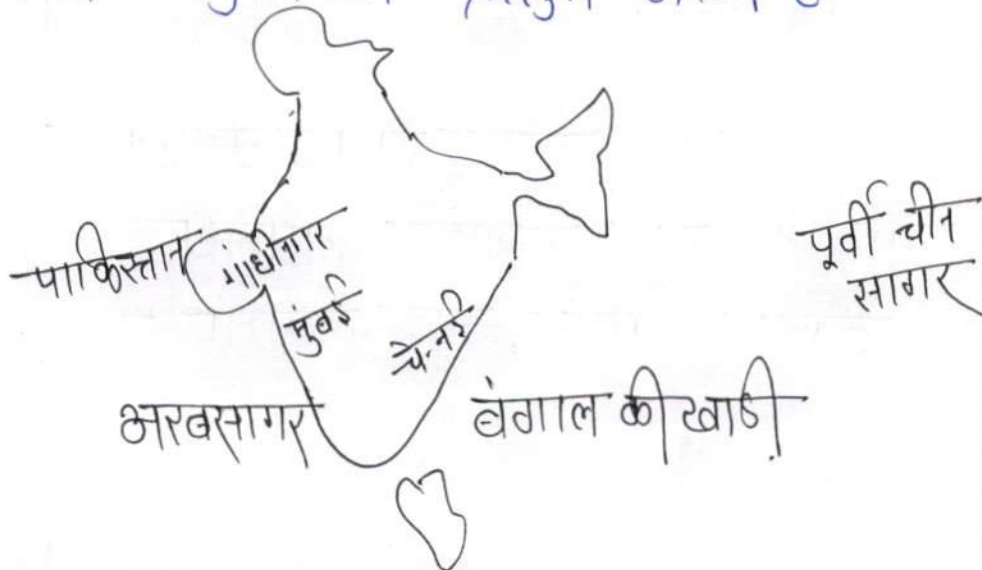
- ⑪ प्रशिक्षण प्रायः समग्रता में दिया जाना.
- ⑬ सुरक्षा एजेंसियों को स्पष्ट मैण्डेट प्रदान करना.
- ⑭ स्थानीय लोगों का सहयोग सुनिश्चित करना।

इस प्रकार समग्र कार्यवाही के माध्यम से संगठित अपराध को टैकल किया जा सकता है।

16. India faces a number of security threats and challenges that originate from the seas. Discuss. Also, give an account of the initiatives taken to strengthen the coastal security of India in recent times. **(250 words) 15**

भारत समुद्र से उत्पन्न होने वाले अनेक सुरक्षा खतरों और चुनौतियों का सामना करता है। चर्चा कीजिए। साथ ही, हाल के दिनों में भारत की तटीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए की गई पहलों का विवरण दीजिए।

भारतीय तटरेखा 7516 किमी लंबी है जो भारत की सुरक्षा में गंभीर चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है।



खतरे व चुनौतियाँ :

- ० भारत में सर्वाधिक भीषण 26/11 हमला समुद्र के रास्ते ही हुआ था।

① समुद्री तटरेखा के साथ-साथ 2 भारत के
सर्वाधिक भावादी वाले शहर

• मुंबई
• चेन्नई
• कोलकाता

① नक्सलवादियों को पूर्व की तटरेखा
के साथ-साथ सहयोग का आतंक

① गोल्डन क्रीसेंट व गोल्डन ट्रायंगल
के मध्य में भारत की भूमिका

① गुजरात तटरेखा के साथ-साथ
पाकिस्तान द्वारा घुसपैठ का प्रयास

① दो सर्वाधिक रणनीतिक द्वीपसमूह

• अंडमान
• लक्षद्वीप

तटीय सुरक्षा हेतु पहले:

1. 26/11 हमले के बाद भारतीय

- II. तरक्षक बल की स्थापना
- III. INS विभ्रान्त की कमीशनिंग
- IV. नौसेना के बजट में वृद्धि
- V. इसरो द्वारा बेहतर निगरानी सुनिश्चित करना
- VI. श्रीलंका तथा बांग्लादेश के साथ बेहतर संबंध
- VII. द्वीपीय घियेटर कमान तथा
- VIII. समुद्री घियेटर कमान की स्थापना.

"भारत, हिंद महासागर के केंद्र में अवस्थित है: अतः इसे अपनी सुरक्षा के साधन - 2 क्षेत्र में सुरक्षा प्रदाता की भूमिका निभाने पर ध्यान देना चाहिए।"

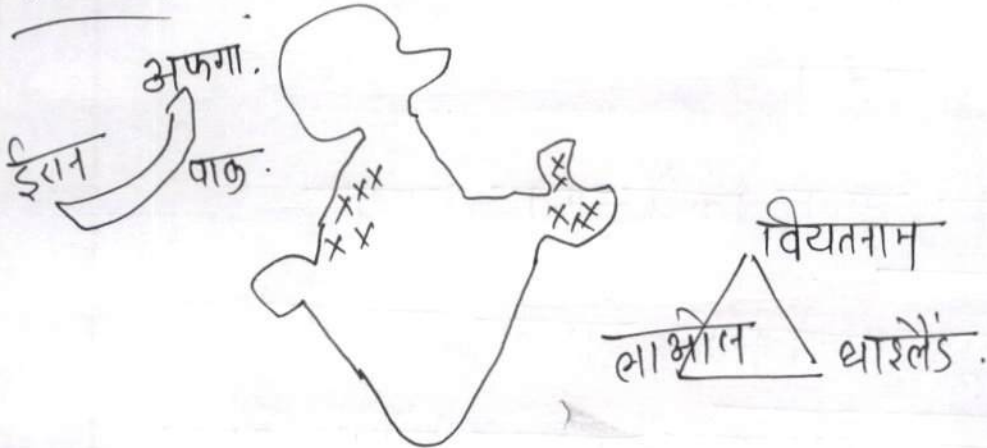
17. Discuss the extent of the problem of narco-terrorism in India. What measures have been taken by the government to counter and control this problem?

(250 words) 15

भारत में नार्को-आतंकवाद की समस्या के प्रसार पर चर्चा कीजिए। इस समस्या से निपटने और नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

नार्को-आतंकवाद से तात्पर्य
नशीले पदार्थों की तस्करी तथा
इनसे उत्पन्न स्वास्थ्य व सुरक्षा
खतरे हैं।

समस्या का प्रसार:



- ① भारत गोल्डन क्रीसेट व गोल्डन ट्रायंगल के महत्व अवस्थित
- ② अफीम व अन्य पदार्थों की तस्करी हेतु भारत सेफ पैसेज

- ① सर्वाधिक प्रभावित राज्य उत्तर-पूर्वी राज्य तथा पंजाब, हरियाणा
- ② वर्तमान में उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी प्रसार
- ③ युवा स्वास्थ्य तथा भ्रष्टाचार के समक्ष गंभीर संकट
- ④ सामाजिक व्यवस्था व नैतिकता पर खतरा

सरकार द्वारा किये गये उपाय:

- ① गृह मंत्रालय - नोडल एजेंसी
- ② स्वास्थ्य तथा सुरक्षा दोनों फ्रंट पर समस्या को संबोधित
- ③ ड्रग पदार्थ एवं स्वापक औषधी निरोधी अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन

- ① द्रुग पदार्थों की गंभीरता हेतु
अवेयरनेस कार्यक्रमों का संचालन
↓

नशा मुक्त भारत अभियान.

- ② वैश्विक सहयोग की स्थापना.
- ③ बॉर्डर पर बेहतर निगरानी व्यवस्था.
- ④ अंतर्राष्ट्रीय अभिसमयों का पालन.
सुनिश्चित करना.

"हालांकि इन उपायों के
साथ-साथ नार्को टेरा की सामना
करने की स्पष्ट रणनीति विकसित
करनी होगी।"

18. A mix of internal and external factors pose security threats in North-East India. Discuss. What steps has the government taken to maintain peace and stability in this region? (250 words) 15

आंतरिक और बाह्य कारकों का मिश्रण पूर्वोत्तर भारत में सुरक्षा संबंधी खतरे उत्पन्न करता है। चर्चा कीजिए। इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं?

पूर्वोत्तर क्षेत्र की भौगोलिक तथा सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ इस क्षेत्र हेतु सुरक्षा खतरे उत्पन्न करती रही हैं-

आंतरिक कारकों की भूमिका-

- नृजातीय समूहों द्वारा सांस्कृतिक सुरक्षा महसूस न करना
- पूर्वोत्तर जनजातियों का अपेक्षाकृत कम विकास
- रचायल जिला परिषदों का प्रभावी न होना
- बोडोलैंड की मांग

- स्वतंत्र राजनीतिक परिदृश्य का विकास न होना
- हेलीकॉप्टर मुख्यमंत्री

- ① प्रशासन की अप्रभाविता
- ① कनेक्टिविटी न होना
- ① पृथक राज्य तथा राज्यों की मांग
 - ग्रेटर नागालैंड
 - कुकी राज्य

बाह्य कारक

- ① पूर्वोत्तर भारत की 80% सीमा
भैतराष्ट्रीय सीमा है।
- ① बंगलादेश तथा म्यांमार से भारत
शरणार्थियों द्वारा स्थानीय संस्कृति
पर संकट
- ① उग्रवादियों तथा आतंकवादियों द्वारा
हथियार तथा वित्त उपलब्ध
करवाना
- ① पड़ोसी राज्यों में आतंकियों
को आश्रय उपलब्ध होना

शांति स्वं सिधस्ता हेतु कदम-

- I. पी. एम. डिवाइन कार्यक्रम
- II. कनेक्टिविटी विकास
 • फेरी नदी पर मैली पुल
 • कलादान मल्टी मॉडल प्रोजेक्ट
- III. उग्रवादियों को आत्मसमर्पण पैकेज
 • 4 लाख की राशि तथा
 अन्य लाभ
- IV. आर्थिक विकास
- V. इनर लाइन परमिट द्वारा संस्कृति का संरक्षण.
- VI. कृषि तथा पर्यटन के माध्यम से रोजगार की उपलब्धता.

इस प्रकार समग्र सामाजिक तथा आर्थिक विकास द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति कायम की जा रही है।

19. In light of the increasing security challenges faced by India, state the need for achieving self-reliance in defence manufacturing. Also, discuss the challenges in this context. (250 words) 15

भारत के समक्ष बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के आलोक में रक्षा निर्माण में, आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की आवश्यकता का उल्लेख कीजिए। साथ ही, इस संदर्भ में चुनौतियों पर भी चर्चा कीजिए।

वर्तमान में भारत, द्वितीय
बड़ा रक्षा निर्यातक देश है जो
उसकी शक्ति भावनाओं के
अनुरूप नहीं है।

बढ़ती सुरक्षा चुनौतियाँ

- I. चीन द्वारा हाइब्रिड वारफेयर
की भाशंका
- II. रूस-पाकिस्तान व चीन में
नजदीकी
- III. भारत के समक्ष लेनों फ्रंट पर
युद्ध का खतरा
- IV. आंतरिक तथा समुद्री सुरक्षा
चुनौतियाँ

आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की आवश्यकता

- ① रक्षा बजट का बहुत बड़ा भाग हथियारों की खरीद में -
- ② सुरक्षा प्रदाता की भूमिका निर्वहन करने में आवश्यक.
- ③ चीन को टैकल करने हेतु स्वेदशीकरण आवश्यक
- ④ स्वतंत्र विदेश नीति के अनुसरण हेतु।

रक्षा विनिर्माण में चुनौतियाँ

- ① निजी क्षेत्र की अल्प भागीदारी
- ② युनिवर्सिटी - कॉर्पोरेट सेक्टर सहयोग न होगा.
- ③ तकनीकी विशेषज्ञता का अभाव.
- ④ पेटेंट अधिकारों की चुनौती

- ① तकनीकी हस्तांतरण सौदे का कम होना
- ② रिसर्च तथा स्नालिसिस में कमजोर प्रदर्शन.

भागों की राह

- रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया का सुचारु क्रियान्वयन
- तकनीकी हस्तांतरण समझौते पर अधिक बल
- निजी क्षेत्र की संभावनाओं का दोहन.

" रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भारत की बढ़ती वैश्विक क्षमता के साथ-साथ उसकी सुरक्षा हेतु भी आवश्यक है। "

20. Data privacy laws require a balancing act between personal liberty and sovereign security. Discuss in the context of India. (250 words) 15
 डेटा निजता कानूनों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता और संप्रभु सुरक्षा के बीच एक संतुलनकारी भूमिका निभाने की आवश्यकता होती है। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

डेटा निजता, भारतीय संविधान के अनु. 21 द्वारा समर्थित है तथा यह एक मूल अधिकार है।

डेटा निजता: व्यक्तिगत स्वतंत्रता.

- ① पुर्नरास्वामीवाद के माध्यम से निजता मूल अधिकार
- ② डेटा, वर्तमान में नये तेल की भाँति अतः इसकी सुरक्षा आवश्यक.
- ③ व्यक्ति की स्वतंत्रता तथा गरिमा को डेटा निजता सुनिश्चित करती है

डेटा निजता कानून: संप्रभुता.

सोशल प्लेटफार्मों के सेंड द सेंड इनक्रिप्शन, सुरक्षा रणनीतियों की

पहुँच में बाधक बनता है-

① अपराधों की जाँच के लिए डेटा तक पहुँच आवश्यक

② व्यक्तिगत स्वतंत्रता कायम करने हेतु कानून का शासन आवश्यक

संतुलनकारी भूमिका-

① भारत में कोई डेटा निजता कानून नहीं अतः संतुलन हेतु अतिशीघ्र विनियमन आवश्यक.

② कानून में स्पष्ट दिशा-निर्देशों की उपस्थिति आवश्यक.

③ स्वतंत्रता तथा राज्य सुरक्षा के मध्य समन्वयकारी संतुलन आवश्यक.

④ जाँच एजेंसियों को असीमित अधिकार नहीं दिये जाने चाहिए।

- ० डेटा स्थानीयकरण, स्वतंत्रता तथा सुरक्षा दोनों सुनिश्चित करता है।
- ० सोशल मीडिया महयस्थों को भी कानून के दायरे में लाना।

“भारत को युरोपियन
यूनियन की भाँति डेटा निजता कानून
लाकर स्वतंत्रता तथा सुरक्षा
दोनों को संतुलित करना चाहिए।”